सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 236 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 3 अक्टूबर, 2025

इस धरती पर ही सर्दी, गर्मी और वर्षा पड़ती है। अर्थात जैसे धरती शीत, धूप और वर्षा सहन करती है, उसी प्रकार शरीर को सुख-दुःख सहन करना चाहिए।
-रहीमदास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

भारत में सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले भारतीय... 7

बिहार विस चुनाव तक बदलेंगे... 3

मनमग्न लोग जलमग्न पर भी... 2

क्या रिहा होंगे वांगचुक!

गीतांजलि ने पति की गिरफ्तारी को दी चुनौती

» वांगचुक की पत्नी ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की हैबियस कार्पस याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लद्दाख की बर्फीली घाटियों से उठी सोनम वांगचुक की आवाज अब सुप्रीम कोर्ट की सीढ़ियों तक पहुंच चुकी है। हिंसा के बाद एनएसए में गिरफ्तार सोनम वांगचुक की पत्नी ने उनकी रिहाई के वास्ते सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल की है। यह कोई आम मामला नहीं है बल्कि लोकतंत्र अधिकार और असहमति की लड़ाई का वह मोड़ है जहां कानून, सरकार और जनता आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यावरण योद्धा सोनम वांगचुक जिन्हें कभी वैश्विक स्तर पर आइस स्टूपा मैन कहकर सराहा गया आज राष्ट्रीय सुरक्षा कानून की जंजीरों में जकड़े पड़े हैं। सरकार उन्हें देशद्रोही कह रही है जबकि हजारों लोग उन्हें अपनी जमीन अपनी पहचान और अपनी आवाज का पहरेदार बता रहे हैं।

सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने सुप्रीम कोर्ट में हैबियस कॉर्पस याचिका दाखिल कर दी है। याचिका का मतलब साफ है कि हमें बताओ कि मेरे पति को किस अधिकार से कैद किया गया है। अगर कोई ठोस सबूत नहीं है तो उन्हें तुरंत रिहा करो। यहां सवाल सिर्फ एक व्यक्ति की आजादी का नहीं है बल्कि संविधान की उस आत्मा का है जो नागरिकों को अधिकार देती है कि वे सत्ता से सवाल पूछ सकें। अगर कोर्ट इस गिरफ्तारी को असंवैधानिक मानता है तो यह सरकार के लिए एक करारा झटका होगा। इस पूरे मामले ने देशभर में तूफान खड़ा कर दिया है। लेह-लद्दाख की गलियों में लोग कह रहे हैं कि हमने सिर्फ राज्य का हक मांगा और हमें आतंकवादी बता दिया गया। वहीं सरकार का दावा है कि वांगचुक और उनके संगठन के विदेशी लिंक हैं उन्होंने पाकिस्तान तक से संपर्क रखा है और जनता को भड़काने वाले भाषण दिए हैं। सवाल यह है कि सच कौन बोल रहा है? और सच की पहचान करेगा कौन । सुप्रीम कोर्ट आजादी और सुरक्षा की इस खींचतान में किस तरफ झुकेगा, यही देशभर की निगाहों का सबसे बड़ा सवाल है। अगर वांगचुक रिहा होते हैं, तो लेह से दिल्ली तक विरोध प्रदर्शनों में और उबाल आ सकता है। लेकिन अगर उन्हें कैद में ही रखा गया तो यह मामला भारत में असहमति और लोकतांत्रिक अधिकारों के गला घोंटने का प्रतीक बन सकता है। अदालत के भीतर जो फैसला होगा, वह सिर्फ वांगचुक के जीवन का नहीं, बल्कि आने वाले वक्त में असहमति रखने वाले हर भारतीय नागरिक की तकदीर का फैसला करेगा।

लेह हिंसा पर न्यायिक जांच के आदेश

लेह में 24 सितंबर को हुई हिंसा की न्यायिक जांच के आदेश दिए गए हैं। हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि यह जांच चार सप्ताह के भीतर पूरी की जाएगी। लेह के उपायुक्त ने इस मामले में आदेश जारी करते हुए नुब्रा उपमंडल मजिस्ट्रेट मुकुल बेनीवाल को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। बेनीवाल ने जनता से अपील की है कि यदि किसी के पास घटना से संबंधित कोई जानकारी है तो वे 4 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक कार्यालय समय के दौरान उपायुक्त कार्यालय लेह के कॉन्फ्रेंस हॉल में उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा, सभी संबंधित लोगों से निवेदन है कि निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए सहयोग प्रदान करें।

अनुच्छेद 32 के तहत अपनी याचिका दायर की

गीतांजलि आंगमो ने दो अक्टूबर को शीर्ष अदालत में संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत अपनी याचिका दायर की है। आंगमो ने सोनम वांगचुक के खिलाफ एनएसए कानून के तहत कार्रवाई पर भी सवाल उठाए हैं। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़प के बाद लेह में भड़की हिंसा के कुछ दिनों बाद सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। आंगमो ने वकील सर्वम रीतम खरे के माध्यम से दायर अपनी याचिका में वांगचुक की हिरासत को चुनौती दी है और उनकी तत्काल रिहाई का अनुरोध किया है। याचिका में वांगचुक पर रासुका लगाने के फैसले पर भी सवाल उठाए गए हैं। आंगमो ने आरोप लगाया कि उन्हें अभी तक हिरासत आदेश की प्रति नहीं मिली है, जो नियमों का उल्लंघन है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि उनका अभी तक वांगचुक से कोई संपर्क नहीं हो पाया है।

वांगचुक की गिरफ्तारी का मामला 'सुप्रीम' चौखट पर

कर्फ्यू में आठ घंटे दी गई ढील

लेह में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। प्रशासन की ओर से कर्फ्यू में कुल आठ घंटे ढील दी गई थी। सुबह 10 बजे से लेकर शाम छह बजे तक बाजार खुले। सड़कों और दुकानों पर चहल-पहल रही। स्कूल-कॉलेज बंद रहे। इंटरनेट सेवा भी फिलहाल कल तक के लिए बंद की गई है। उधर, लद्दाखी छात्रों के देश के अलग-अलग राज्यों में बने संगठनों ने गृह मंत्रालय को ज्ञापन भेजकर लेह हिंसा की न्यायिक जांच की मांग उठाई और मारे गए प्रदर्शनकारियों के परिवारों को उचित मुआवजे की मांग की।

गीतांजलि ने साजिश के लगाए थे आरोप

इससे पहले गीतांजलि जे. आंगमो ने लद्दाख के पुलिस महानिदेशक के बयानों को झूठा और गढ़ी गई कहानी बताते हुए कहा था कि यह एक सोची-समझी साजिश है, जिसके जरिए किसी को फंसाकर मनमर्जी करने की कोशिश हो रही है। गीतांजलि ने कहा था, हम डीजीपी के बयान की कड़ी निंदा करते हैं। सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि पूरा लद्दाख इन आरोपों को खारिज करता है। ये एक बनावटी कहानी है, ताकि किसी को बलि का बकरा बनाया जा सके और वे जो चाहें वो कर सकें। उन्होंने सवाल उठाया था कि सीआरपीएफ को गोली चलाने का आदेश किसने दिया? अपने ही नागरिकों पर गोली कौन चलाता है? खासकर वहां, जहां कभी हिंसक प्रदर्शन नहीं हुए। गीतांजलि का कहना था कि सोनम वांगचुक का इस पूरी घटना से कोई लेना-देना नहीं था। वे तो उस समय किसी और जगह शांतिपूर्वक भूख हड़ताल पर बैठे थे। वे वहां मौजूद ही नहीं थे, तो वे किसी को कैसे उकसा सकते हैं?

लेह में अचानक भड़की थी हिंसा

अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करके जम्मू कश्मीर राज्य का पुनर्गठन किया गया। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर और लद्दाख में बांटा गया। इसमें जम्मू-कश्मीर को विधानसभा वाला केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया। वहीं, लद्दाख को बिना विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया गया। इस बदलाव के तहत जम्मू कश्मीर में पिछले साल नई विधानसभा का भी गठन हो गया। वहीं, दूसरी ओर राज्य पुनर्गठन के साथ ही लद्दाख में इस केंद्र शासित प्रदेश को छठी अनुसूची में शामिल करने और इसे पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग उठने लगी। इसे लेकर अलग-अलग समय पर प्रदर्शन हुए। इन्हीं मांगो को लेकर चल रहे ताजा प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क उठी।

मनमग्न लोग जलमग्न पर भी ध्यान दें: अखिलेश यादव

सीएम योगी के गृह जनपद गोरखपुर में जलभराव की वीडियों वायरल कर कसा तंज

» सपा का भाजपा सरकार पर करारा वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम का भाजपा सरकार पर हमला जारी है। उन्होंने सीएम योगी के गृह जनपद में वर्षा के बाद पानी से लबालब भरी सड़कों की वीडियो जारी करके तंज कसते हुए कहा कि 'ये मुख्यनगरी स्मार्ट सिटी गोरखपुर' है। मनमग्न लोग जलमग्न पर ध्यान दें!

वहीं सपा ने भाजपा सरकार पर करारा वार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में चारों ओर अराजकता और बर्बादी का माहौल है। दूसरी तरफ उन्होंने भाजपा व सीएम योगी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। सपा मुखिया ने कहा कि आज तो झूठ भी अपने आप को लज्जित महसूस कर रहा होगा।

उन्होंने इतना बड़ा झूठ भी नहीं बोलना चाहिए कि इंसान औरों की ही नहीं अपनी निगाह में भी गिर जाए। सफ़ेद झूठ बोलने से व्यक्ति की गरिमा भी गिरती है और उन सभी पदों की प्रतिष्ठा और मान-मर्यादा भी जिन पर वो बैठता है। सत्ता का ऐसा भी क्या लालच कि उस बात को झूठ बताना जिसके प्रमाण हर तरह से सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं और जनता ने जिसका खुद साक्षात अनुभव किया हो। इतना बड़ा झूठ बोलना तभी संभव होता है जब व्यक्ति या तो चेतना खो दे या सच्चाई या अपने आदर्श और सत्य के संस्कार।

गांधी जयंती और विजय दशमी की दी बधाई

अखिलेश यादव ने विजयादशमी पर्व पर देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन हमें अन्याय पर न्याय की विजय का संदेश देता है। उन्होंने 2 अक्तूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके बताए रास्ते पर चलकर ही देश प्रगति कर सकता है।

भाजपा और उनके संगी साथियों की सोच झूठ बोलकर अपने लोगों को ठगो

ऐसे महाझूठ वक्ता दरअसल अपने लोगों को महामूर्ख समझते हैं। वो मानते हैं कि उनके अनुयायी उनकी हर बात को सच ही मानेंगे लेकिन ऐसा होता नहीं है। भाजपा और उनके संगी-साथियों और वाहिनीवादियों की सोच ही यही है कि झूठ बोलकर अपने लोगों को ठगो। आज तो भाजपाई गुट के वो सब लोग शर्म से ज़मीन में गड़ गये होंगे जो ऐसे लोगों के लिए हर तर्क-कुतर्क से बाज नहीं आते थे और इनकी ईमानदारी की गारंटी देते थे। अपनी नहीं तो पद की गरिमा का ही मान रखिए। वैसे उनसे सच की उम्मीद करना बेकार है जो महाकुंभ जैसे पावन और धार्मिक अवसर पर सनातनी हिंदुओं की मृत्यु पर झूठ बोलने का घोर पाप कर चुके हैं। आज सत्य अपने आप को कितना बौना महसूस कर रहा होगा।

उप्र में बना हुआ है दहशत का वातावरण

उप्र में दहशत का जो वातावरण बना हुआ है, उसके लिए भाजपा सरकार कुछ करेगी या ये कहकर पल्ला झाड़ लेगी कि जानवर के पदचिह्न नहीं मिले हैं। जिन पर हमले हो रहे हैं क्या उनके घायल शरीर के निशान काफ़ी नहीं हैं या फिर उनके ज़ख्म जिनके बच्चे जानवर उठा ले जा रहे हैं। भाजपा अब क्या सीसीटीवी के खिलाफ एफआइआर करायेगी?

आई लव मोदी कह सकते हैं लेकिन आई लव मोहम्मद नहीं

» भाजपा पर भड़के एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। हैदराबाद के सांसद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमनी (एआईएमआईएम) के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस देश में आई लव मोदी बोल सकते हैं, लेकिन मोहम्मद का नाम नहीं ले सकते।

बीते दिनों उत्तर प्रदेश में आई लव मोहम्मद के पोस्टर को लेकर विवाद हुआ था और यह मामला उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे राज्यों तक भी पहुंच गया। ओवैसी ने कहा, अब तो ये हमारी मस्जिद को भी छीनना चाहते हैं। हद तो य हो गई है कि इस देश में आई लव मोदी तो बोल सकते हैं, लेकिन आई लव मोहम्मद नहीं बोल सकते। कहां लेकर जाएंगे इस मुल्क को आप। इनके पोस्टर लगाओ तो ये खुश हो जाएंगे, लेकिन आई लव मोहम्मद के पोस्टस दिक्कत है। अगर मैं मुसलमान हूं तो मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की वजह हूं। उसके आगे और कुछ नहीं है. क्या करना चाहते हैं, 17 करोड़ की जनता भारत में रहती है। ओवैसी ने कहा, हम हिंसा की निंदा करते हैं, लेकिन कई ऐसे वीडियो भी आए हैं जिसमें पुलिस लाठीचार्ज कर रही है और दुकानदार उन पर फूल बरसा रहे हैं. ये याद रखना चाहिए कि पुलिस सिर्फ उसकी है जो सत्ता में है सत्ता बदलने के बाद ये कल आपको भी मार सकते हैं।

कुछ लोग जानबूझकर विवाद खड़ा कर समाज का माहौल खराब कर रहे हैं: तेज प्रताप यादव

» बोले- मेरे पास कुरान शरीफ है और वे पैगंबर का सम्मान करते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की राजनीति में हमेशा अपने बयानों से चर्चा में रहने वाले लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने हाल ही में उठे आई लव मोहम्मद विवाद पर सफाई दी है। तेज प्रताप ने स्पष्ट कहा कि मेरे पास कुरान शरीफ की प्रति है। मैं पैगंबर का बहुत सम्मान करता हूं। जो लोग विवाद खड़ा कर रहे हैं, वे केवल माहौल खराब कर रहे है।

तेज प्रताप यादव ने अपने बयान के जरिए धार्मिक सौहार्द का संदेश देने की कोशिश की। इसके अलावा उनकी सोच हमेशा सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान की रही है। तेज प्रताप ने यह भी साफ कर दिया कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में महुआ सीट से चुनाव लड़ेंगे. यह वही सीट है, जहां से उन्होंने वर्ष 2015 में अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। महुआ विधानसभा क्षेत्र तेजस्वी यादव की राघोपुर सीट से सटा हुआ है, ऐसे में आने वाले चुनाव में दोनों भाइयों की राजनीतिक रणनीति पर सबकी नजरें रहेंगी। आरएसएस के शताब्दी समारोह को लेकर पूछे गए सवाल पर तेज प्रताप ने कहा कि आरएसएस की स्वतंत्रता आंदोलन में कोई भूमिका नहीं थी. उन्होंने खुद को महात्मा गांधी का अनुयायी बताया और कहा कि वे गांधी के सिद्धांतों पर ही राजनीति करना चाहते हैं।

तेजस्वी को मर्यादा का करना चाहिए पालन

अपने छोटे भाई और राजद सुप्रीमो तेजस्वी यादव के साथ रिश्तों पर भी तेज प्रताप ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि तेजस्वी को उन्हें वैसा ही सम्मान देना चाहिए, जैसा भगवान राम को लक्ष्मण से मिला था। तेज प्रताप ने कहा कि छोटे भाई होने के नाते तेजस्वी को मर्यादा का पालन करना चाहिए और उन्हें गलत लोगों के बहकावे में नहीं आना चाहिए। उन्होंने कुछ सहयोगियों पर निशाना साधते हुए उन्हें जयचंद की संज्ञा दी।

पूरे पांच साल तक मैं ही सीएम: सिद्धारमैया

» कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर लगाया विराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने कार्यकाल पूरा होने की अटकलों पर विराम लगाते हुए ज़ोर देकर कहा कि उनका इरादा पूरे पाँच साल का कार्यकाल पूरा करने का है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, लोग कहते रहते हैं कि नवंबर में ढाई साल पूरे हो जाएँगे।

मैं कहना चाह रहा हूँ कि आलाकमान का जो भी फ़ैसला हो, हमें उसका पालन करना होगा। मैं अगले साल मैसूर दशहरा पर पुष्प अर्पित क्यों न करूँ? मुझे उम्मीद है कि मैं करूँगा। मैं इतने सालों से यही करता आ रहा हूँ। दशहरा का शुभारंभ पारंपरिक रूप से मैसूरु में चामुंडी पहाड़ियों के ऊपर स्थित चामुंडेश्वरी मंदिर के परिसर में मैसूरु और उसके राजघरानों की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी की मूर्ति पर पुष्प वर्षा करके किया जाता है। सिद्धारमैया ने अपने राजनीतिक सफर पर की गई भविष्यवाणियों और शंकाओं को याद करते हुए कहा, लोगों ने भविष्यवाणी की थी कि मैं दूसरी बार मुख्यमंत्री नहीं बनूँगा, लेकिन मैं बन गया।

कई लोगों ने कहा कि मेरी कार पर कौआ बैठना अपशकुन है और मैं मुख्यमंत्री नहीं बन पाऊँगा। उन्होंने यह भी कहा कि मैं बजट पेश नहीं करूँगा, लेकिन मैंने पेश किया। अपने अब तक के कार्यकाल पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि मैंने ढाई साल पूरे कर लिए हैं और अगले ढाई साल तक सत्ता में बना रहूंगा।

मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के वफादार कांग्रेस विधायक डॉ. रंगनाथ द्वारा अपने सहयोगी के नेतृत्व की संभावनाओं का खुले तौर पर समर्थन करने के बाद आई है। डॉ. रंगनाथ ने कहा कि एक न एक दिन वह मुख्यमंत्री बनें, यही हम सबकी इच्छा है। मुझे विश्वास है कि वह एक दिन मुख्यमंत्री बनेंगे। मतदाता, पार्टी कार्यकर्ता और जनता, सभी उन्हें भविष्य में मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। विधायक ने उन्हें अपना राजनीतिक गुरु बताते हुए कहा कि डीके शिवकुमार हमारे राजनीतिक गुरु हैं। हमने उनसे सीखा है कि समाज की सेवा कैसे की जाती है, प्रशासन कैसे चलाया जाता है और अपने कार्यों से विकास कैसे लाया जाता है।

कांग्रेस नेता ने राहुल गांधी और उनके परिवार की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य नसीम खान ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और गांधी परिवार के अन्य सदस्यों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखे एक पत्र में खान ने कहा कि भाजपा प्रवक्ता प्रिंटो महादेवन ने कथित तौर पर राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी दी थी,जोकि बेहद गंभीर और चिंताजनक बात है। कांग्रेस नेता ने महादेवन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी की जान पर गंभीर खतरे को देखते हुए उन्हें विशेष सुरक्षा दी जानी चाहिए।

दलित बस्तियों में मंदिर बनाने के बजाय बुनियादी ढांचे पर जोर दें: वाईएस शर्मिला

» एपीसीसी की अध्यक्ष ने कहा कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने का कहना गलत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने सवाल किया कि क्या सरकार से दलित बस्तियों में मंदिर बनाने के बजाय बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करने का अनुरोध करना गलत है। शर्मिला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जुलाई में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने पाया था कि 228 दलित छात्र एक ही शौचालय का उपयोग करने को मजबूर थे।

कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि क्या सरकार को इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव देना गलत है। शर्मिला ने एक बयान में कहा, ''दलित बस्तियों में मंदिर बनाने पर ध्यान केंद्रित करने से पहले, सरकार का ध्यान स्कूलों और वहां बुनियादी ढांचा प्रदान करने पर होना चाहिए। क्या यह कहना गलत है?'' उन्होंने आरोप लगाया कि राजग सरकार तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के धन का दुरुपयोग कर रही है और दलितों के हितों की तरफ आंख मूंदे बैठी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री को किसी एक धर्म के प्रति पक्षपाती रवैया नहीं अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''न तो मैं और न ही कांग्रेस पार्टी हिंदू धर्म के विरुद्ध है। कांग्रेस एक सर्व-धर्म समावेशी पार्टी है जो संविधान और सभी धर्मों की समानता का सम्मान करती है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बिहार विस चुनाव तक बदलेंगे सियासी रंग

महागठबंधन व एनडीए में सीटों को लेकर रार

» नेताओं के कड़े तेवर से हलकान बड़े दल
» सहयोगियों की मांग पर बढ़ रहा असमंजस
» 1100 रुपये पेंशन से संतुष्ट नहीं है जीतन मांझी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार चुनावों के ऐलान इसी ही महीने में हो जाएंगे। चुनाव आयोग जल्द ही राज्य में दौरे आरंभ करेगा। अब इस चुनाव से पहले सियासी दलों में सिर फुटव्वल भी जोरों पर है। इंडिया का महागठबंधन व एनडीए का गठबंधन दोनों के बीच में सीटों को लेकर खींचतान देखने को मिल रही है। इंडिया गठबंधन से ज्यादा परेशानी एनडीए गठबंधन में है। उसके सहयोगी अब उसे आंख दिखाने लगें है। चिराग पासवान के बाद जीतन मांझी भी सीटें ज्यादा मांग रहे हैं, साथ ही सरकार के कई कामों पर प्रश्न भी उठने लगे हैं। इन सब हरकतों से ऐसा लगता है कि चुनाव आते-आते बिहार में कई सियासी समीकरण नए रंग में आ जाएंगे।

जीतन राम मांझी ने कहा कि वे अपने समाज के हितों के लिए 20 सीटें मांग रहे हैं और यदि 20 सीटें मिलीं तो वे सामान शिक्षा लागू करेंगे। उन्होंने पेंशन संबंधी मांग भी दोहराई और कहा कि 1,100 रुपये की पेंशन से संतुष्टि नहीं है। उनका कहना था कि चैन तब होगा जब पेंशन 2,000 रुपये होगी। भारत-पाकिस्तान संबंधों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि अब पाकिस्तान हमारे सामने टिक नहीं सकता। पाकिस्तान कभी हमारा अंग हुआ करता था। ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादी ठिकानों को हटाया गया। एक तरफ हमने पाकिस्तान को माफ किया है, लेकिन अब समुद्र से भी मिसाइल छोड़ने की तकनीक उपलब्ध है। पाकिस्तान नक्शे से मिट जाएगा। गया जी जिले के अतरी विधानसभा क्षेत्र में हम पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन और झकझोर झूमर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे और कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। मांझी ने अपने संबोधन में कहा कि दशरथ मांझी को राष्ट्रपति पुरस्कार या भारत रत्न मिलना चाहिए था और वे इसके योग्य थे। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कुछ सम्मान देने के लिए धन्यवाद भी कहा और बताया कि दशरथ मांझी का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ हुआ। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यह पर्याप्त नहीं था। मांझी ने भुइयां और मुसहर जातियों के कोड और गणना को लेकर असंतोष जताया। उनके बयान के अनुसार भुइयां और मुसहर के लिए अलग-अलग कोड दिए गए हैं और इससे समाज में विभाजन हुआ है। उन्होंने कहा कि दोनों जातियों का एक साथ गिनना चाहिए। उन्होंने बताया कि 2015 के बाद भुइयां और मुसहर एकजुटता के कारण छह विधायक बने हैं और इस एकजुटता को बनाए रखना जरूरी है।

तेजस्वी ने नीतीश की हालिया घोषणाओं पर उठाए सवाल

तेजस्वी यादव ने दावा किया, ''पिछले कुछ समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुल मिलाकर 7.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक की घोषणाएं कर चुके हैं, जबकि राज्य की वित्तीय स्थिति इतनी बड़ी योजनाओं को संभालने में सक्षम नहीं है। उन्होंने दावा किया, ''बिहार का कुल बजट लगभग 3.16 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें से करीब दो लाख करोड़ रुपये वेतन, पेंशन और ब्याज जैसे प्रतिबद्ध मद में ही खर्च हो जाते हैं। इससे सरकार के पास योजनाओं और विकास कार्यों के लिए केवल लगभग 1.16 लाख करोड़ रुपये बचते हैं। ऐसे में ये घोषणाएं केवल जनता को भ्रमित करने और चुनावी माहौल बनाने का तरीका हैं। नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया, ''आखिर राज्य का राजस्व कैसे बढ़ेगा, राशि कहां से आएगी और घोषणाएं धरातल पर कब पूरी होंगी।'' तेजस्वी ने महिलाओं को 10 हजार रुपये की राशि देने की राज्य सरकार की योजना पर भी सवाल उठाया। उन्होंने तंज कसा कि नीतीश कुमार ''एक रुपया देकर बिहार का वर्तमान और भविष्य खरीदना चाहते हैं, लेकिन इस बार जनता उन्हें हटाएगी भी और हराएगी भी।'' भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी सरकार को घेरते हुए यादव ने आरोप लगाया कि राज्य में इंजीनियरों के यहां से करोड़ों रुपये बरामद होते हैं, लेकिन सरकार कोई कार्रवाई नहीं करती क्योंकि यह राशि ऊपर तक पहुंचती है। उन्होंने कहा, उन्हें (मुख्यमंत्री को) जनता और विपक्ष के सवालों का जवाब देना चाहिए। नीतीश कुमार पर सीधे तौर पर निशाना साधते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि पहले हम उन्हें 'भीष्म पितामह' मानते थे लेकिन अब वह भ्रष्टाचार के 'धृतराष्ट्र' बन चुके हैं।

'अपने समाज के हितों के लिए मांगी 20 सीटें'

मांझी ने कहा कि वे अपने समाज के हितों के लिए 20 सीटें मांग रहे हैं और यदि 20 सीटें मिलीं तो वे सामान शिक्षा लागू करेंगे। उन्होंने पेंशन संबंधी मांग भी दोहराई और कहा कि 1,100 रुपये की पेंशन से संतुष्टि नहीं है। उनका कहना था कि चैन तब होगा जब पेंशन 2,000 रुपये होगी। उन्होंने सरकारी स्कूलों के संचालन और पढ़ाने के तरीकों पर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि वहां पढ़ाई के बजाय प्रार्थना कराकर खाना खिलाने का रिवाज है। सभा के दौरान मंच पर मौजूद एक व्यक्ति को हटाने का भी निर्देश दिया गया। इस दौरान आयोजकों और पुलिस को कहा गया कि वह व्यक्ति शायद शराब के प्रभाव में है, अतः हटाया जाए।

'ये मेरा आखिरी चुनाव'

अतरी विधानसभा क्षेत्र में पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि वह अतरी विधानसभा से चुनाव लड़ने की बात कह चुके हैं। उन्होंने कहा कि मैंने अब तक 13 चुनाव लड़े हैं। 10 में से 8 जीतें, जबकि लोकसभा के 3 चुनाव लड़े और 1 पर जीत हासिल की। मांझी ने कहा कि उनका घर और ससुराल अतरी में है। उन्होंने कहा कि मैंने कहा था कि 75 वर्ष की आयु के बाद चुनाव नहीं लडूंगा, लेकिन नीतीश कुमार के निर्देश और अनुरोध पर 2020 में मैंने चुनाव लड़ा। यह मेरा अंतिम चुनाव है। अब हम अपने क्षेत्र से पार्टी का उम्मीदवार खड़ा करवाएंगे।

भेदभाव करने वाले को अंदरुनी तौर पर दुश्मन मानना होगा

मांझी ने सभा में यह भी कहा कि भेदभाव करने वाले को अंदरुनी तौर पर दुश्मन मानना होगा तथा भुइयां, मुसहर के प्रतिनिधित्व बढ़ने पर दिल्ली और पटना में सत्ता की संभावनाएं बढ़ेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि अकेला चना भांड़ नहीं फोड़ता और तभी बड़ा राजनीतिक बदलाव संभव है, जब दोनों समुदाय एक साथ आएंगे। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य वक्ताओं और आयोजनों का विवरण आयोजकों द्वारा दिया गया बयान के अनुरूप है।

तेजस्वी पर बोला हमला

तेजस्वी यादव पर तीखा तंज करते हुए मांझी ने कहा कि मैं तेजस्वी यादव को पागल मानता हूं। उनके पिता ने मुझे मुख्यमंत्री पद से हटवाने का काम किया। उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके शासनकाल में किए गए कुछ काम हास्यास्पद थे। जिनमें चरवाहा स्कूल खोलने और लाठी में तेल पिलाकर भजन करवाने जैसे मामले उन्होंने गिनाए। मांझी ने आरोप लगाया कि उन्हें पद से हटाने के लिए राज्यपाल तक भी जाना पड़ा।

तेजस्वी पर बरसे केंद्रीय मंत्री चिराग

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के अनुसार, बिहार में विपक्ष विधानसभा चुनावों से पहले मुद्दों से विहीन हो गया है और वह अगले कुछ दशकों तक चुनावी रिकॉर्ड के विशेष, कठोर संशोधन का विरोध जारी रख सकता है। इसके साथ ही पासवान ने कहा कि उनके लिए राजनीति का आधार जाति नहीं, बल्कि बिहारी पहचान है। एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी करने के चुनाव आयोग के फैसले के बारे में पूछे जाने पर, जिसका राजद और कांग्रेस ने कड़ा विरोध किया है, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता ने यह बयान दिया। चिराग ने कहा कि काफी समय से विपक्ष अपनी चुनावी असफलताओं का दोष ईवीएम पर मढ़ता रहा है। अब, अगले कुछ दशकों तक, वे एसआईआर में ही खामियां ढूंढ़ते रहेंगे। हाजीपुर के सांसद ने कहा कि बिहार और अन्य जगहों की तरह, मतदाता सूचियों में निश्चित रूप से सुधार की आवश्यकता है। पासवान के अनुसार, कई दिवंगत लोगों के नाम अभी भी मतदाताओं की सूची में शामिल हैं। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने कहा, विपक्ष लगातार इन चिंताओं को हमारे साथ साझा कर रहा है। अब जबकि कई लाख नामों को हटा दिया गया है, ऐसा प्रतीत होता है कि विसंगतियां दूर हो गई हैं। विपक्ष को यह समझना चाहिए कि चुनाव आयोग, जिस पर वे लगातार हमला करते रहते हैं, वही वह प्राधिकरण है जहां वे अपनी शिकायतों के निवारण के लिए जा सकते हैं। पासवान ने कहा, ''मैं 14 करोड़ बिहारियों की बात करूंगा। बिहार फर्स्ट और बिहारी फर्स्ट की बात करूंगा। मेरा दल जातिगत समीकरणों से ऊपर उठकर महिलाओं और युवाओं को प्राथमिकता देने वाली राजनीति में विश्वास करता है।'' उन्होंने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वे लगातार जातिगत समीकरणों की बात करते हैं। पासवान ने कहा कि तेजस्वी यादव के दिमाग में ईबीसी, ओबीसी, दलित और अन्य जातियां हो सकती हैं, लेकिन हमारे लिए बिहार की जनता सिर्फ बिहारी है। जो नेता एम-वाई (मुस्लिम-यादव) का तमगा गर्व से पहनते हैं, वे हमेशा जाति आधारित राजनीति करते रहेंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

वृद्ध हमारे संरक्षक, उन पर अत्यचार निंदनीय

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1 अक्टूबर को अंतराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिवस का उद्देश्य वृद्धों के अधिकारों, उनकी गरिमा और उनके योगदान को रेखांकित करना है। यह दिन हमें यह सोचने को विवश करता है कि जीवन के इस अंतिम पड़ाव में, जिसे कभी सम्मान और अनुभव का प्रतीक माना जाता था, आज वह उपेक्षा, अकेलेपन और असुरक्षा का पर्याय क्यों बन गया है।

भारत में कुछ सालों से बुजुर्गों पर अत्याचार की घटनाएं बहुत बढ़ीं हैं। इसी क्रम वृद्धाश्रम भी बढ़ गए हैं। ये एक चिंता की बात है। धीरे-धीरे देश में वृद्धों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में सरकारों को भी इस ओर ध्यान देना चाहिए। इसलिए सेवा भाव को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय अभियान चलाए जाएं। जब भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, तब उसके अनुभव-संपन्न वृद्धजन राष्ट्र की अमूल्य पूंजी हैं, इसलिए मोदी सरकार को उनके लिए संवेदनशील और समग्र कल्याणकारी नीतियां लागू करनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1 अक्टूबर को अंतराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिवस का उद्देश्य वृद्धों के अधिकारों, उनकी गरिमा और उनके योगदान को रेखांकित करना है। यह दिन हमें यह सोचने को विवश करता है कि जीवन के इस अंतिम पड़ाव में, जिसे कभी सम्मान और अनुभव का प्रतीक माना जाता था, आज वह उपेक्षा, अकेलेपन और असुरक्षा का पर्याय क्यों बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2030 तक 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग पूरी दुनिया में 1.4 अरब से अधिक हो जाएंगे और 2050 तक यह संख्या दोगुनी होकर लगभग 2.1 अरब तक पहुंच जाएगी।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरुआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है। भारत में वृद्धों की स्थिति अधिक चिन्ताजनक है। जबकि वृद्धजन भारतीय समाज की धरोहर मानी जाती रही हैं, उन्हें अनुभव और ज्ञान का भंडार मानते हैं। इसके बावजूद यदि हम उन्हें उपेक्षित करेंगे तो यह केवल अन्याय ही नहीं, बल्कि सभ्यता एवं संस्कृति की पराजय होगी। वृद्धजन केवल जीवित बोझ नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं। उनका सम्मान करना न केवल हमारा नैतिक कर्तव्य है बल्कि एक बेहतर, संवेदनशील और संतुलित समाज के निर्माण की अनिवार्यता है। भारत जैसे विकसित देश के नागरिकों की औसत आयु 60 वर्ष से अधिक 65 हो रही है। भारत में परंपरागत भारतीय परिवार व्यवस्था में वृद्धजनों को सम्मान, सुरक्षा और निर्णय लेने की अहम भूमिका प्राप्त थी। लेकिन आज शहरीकरण, परमाणु परिवार, प्रवास और उपभोक्तावादी सोच ने उनकी भूमिका को हाशिए पर पहुंचा दिया है। परिवार के भीतर उन्हें आर्थिक बोझ समझा जाने लगा है, पीढ़ीगत टकराव और मूल्यों में बदलाव ने दूरी बढ़ा दी है, नौकरी-पेशा बच्चों के व्यस्त जीवन में धैर्य और देखभाल की कमी स्पष्ट हो रही है और संपत्ति तथा अधिकारों को लेकर तनाव आम हो गया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हार-जीत के फेर में खेल भावना भी जीते

विश्वनाथ सचदेव

भारत एक बार फिर एशिया में क्रिकेट का बादशाह बन गया है। दुबई में खेले गए एशिया कप के मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर प्रमाणित की है। हमारे खिलाड़ियों ने जिस तरह अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है, उसकी प्रशंसा होनी ही चाहिए। लेकिन चर्चा में सिर्फ क्रिकेटर नहीं हैं, सच तो यह है कि चर्चा क्रिकेट की नहीं, भारत और पाकिस्तान के रिश्तों की ज्यादा हो रही है। जिस तरह पूरे टूर्नामेंट के दौरान हमारे खिलाड़ियों ने पाकिस्तान की टीम से हाथ नहीं मिलाया और फिर जिस तरह फाइनल मुकाबले में जीत के बाद हमने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष के हाथों ट्रॉफी ग्रहण न करने का निर्णय लिया, वह दोनों देशों में ही नहीं, पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है।

क्रिकेट के इतिहास में शायद ही पहले कभी ऐसा हुआ हो कि विजेता टीम ने हारी हुई टीम के देश के राजनेता के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया हो, और वह राजनेता ट्रॉफी और खिलाड़ियों के पदक उठाकर चलता बना हो! आज नहीं तो कल वह ट्रॉफी तो भारत को मिल ही जाएगी और यदि नहीं भी मिलती है तो इससे भारत की विजय का तथ्य और महत्व किसी भी तरह से कम नहीं होता। पाकिस्तान की इस हरकत पर हैरानी भी होती है और हंसी भी आती है। बहरहाल, इस प्रकरण पर देश में चर्चा होना स्वाभाविक है और चर्चा हो भी रही है। जहां एक ओर भारतीय खिलाड़ियों के दमखम की प्रशंसा हो रही है, वहीं दूसरी ओर देश में एक तबका ऐसा भी है जो मानता है कि भारतीय टीम को पाकिस्तान के साथ क्रिकेट के मुकाबले में उतरना ही नहीं चाहिए था। पहलगाम में पाकिस्तान के इशारे पर या कहना चाहिए, पाकिस्तान द्वारा जो कुछ हुआ, दुनिया में कोई भी विवेकशील व्यक्ति उसका समर्थन नहीं कर सकता। जिस तरह धर्म पूछ-पूछकर आतंकवादियों ने पहलगाम में पर्यटकों पर गोलियां चलाईं, उसे नृशंसता का निकृष्टतम उदाहरण ही कहा जा सकता है। हमने अपने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से पाकिस्तान और सारी दुनिया को यह बता दिया कि मनुष्यता के प्रति इस तरह के अपराध को कोई भी सभ्य समाज स्वीकार नहीं कर सकता।

हमने यह कहना भी जरूरी समझा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है, सिर्फ स्थगित किया गया है। दुबई में हमारे खिलाड़ियों ने जिस तरह का कदम उठाया है, उसे 'ऑपरेशन सिंदूर' की ही एक कड़ी के रूप में देखा

जा रहा है। हाथ न मिलाने या पाकिस्तानी मंत्री के हाथों ट्रॉफी न लेने का यह निर्णय सिर्फ खिलाड़ियों का नहीं हो सकता; भारतीय क्रिकेट अधिकारियों और भारत सरकार की सहमति से ही यह कार्रवाई की गई होगी। आतंकवाद के संदर्भ में पाकिस्तान की भूमिका को देखते हुए यह सही भी लगता है कि उसे हर कदम पर यह अहसास दिलाया जाए कि वह गलत कर रहा है। पाकिस्तान से हाथ न मिलाकर अथवा ट्रॉफी स्वीकार न करने से बेहतर यह नहीं होता कि हम पाकिस्तान के साथ खेलने से ही इनकार कर देते? यह सही है कि ऐसी स्थिति में हमें एशिया कप के मुकाबले से बाहर भी होना पड़ सकता था, परंतु अपना विरोध और गुस्सा प्रकट करने का वह अधिक कारगर उपाय होता। ऐसा सोचने वालों का कहना है कि आधे-अधूरे विरोध से बेहतर होता कि विरोध पूरा होता। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि देश में एक तबका ऐसा भी है जिसने भारत-पाक क्रिकेट मैच को टी.वी. पर न देखने का आह्वान किया था। इस तबके का मानना है कि यदि विरोध होना है, तो वह पूरी दृढ़ता से होना चाहिए। बहरहाल, ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान की अमानुषिक हरकतों को अनदेखा किया जाए। पाकिस्तान को यह अहसास कराया जाना जरूरी है कि आतंकवाद को बढ़ावा देकर वह समूची मनुष्यता के विरुद्ध कार्रवाई कर रहा है। इस तथ्य को भी नहीं भुलाया जा सकता कि आज दुनिया भर में मनुष्यता के खिलाफ गतिविधियां जारी हैं। चाहे फलस्तीन पर इस्राइल का हमला हो या फिर यूक्रेन के खिलाफ रूस की कार्रवाई, ये सब इस बात के उदाहरण हैं कि देशभक्ति के नाम पर मनुष्यता को कलंकित किया जा रहा है। ऐसी सभी गतिविधियों का विरोध होना ही चाहिए। दुनिया को युद्ध की आग में झोंकने के लिए तैयार बैठे देशों को यह अहसास कराया जाना जरूरी है कि एटम बम जैसा कोई भी हथियार किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

'युद्ध नहीं, बुद्ध'—यही मनुष्यता की जरूरत है। मनुष्यता की रक्षा बुद्ध की सोच ही कर सकती है, युद्ध की विभीषिका नहीं। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है—यही बात भीष्म ने महाभारत की समाप्ति पर समझानी चाही थी। एक-दूसरे का हाथ झटक कर नहीं, हाथ मिलाकर ही उचित समाधान निकाला जा सकता है। भारत के संदर्भ में पाकिस्तान जिस तरह की सोच पाले हुए है, या जिस तरह का व्यवहार कर रहा है, उसका समर्थन नहीं किया जा सकता। चाहकर भी अपने पड़ोसी को नहीं बदल सकते।

आईटी पेशेवरों के लिए चुनौतियों में नए अवसर

डॉ. शशांक द्विवेदी

अमेरिका हमेशा से भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। विशेषकर 1990 के दशक के बाद, जब सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने भारत में तेजी से विकास करना शुरू किया, तब से लाखों भारतीय इंजीनियर, प्रोग्रामर और सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ एच-1बी वीजा के माध्यम से अमेरिका जाकर काम करते रहे हैं। अमेरिकी कंपनियां भारतीय आईटी टैलेंट को इसलिए पसंद करती थीं क्योंकि वे योग्य, मेहनती और अपेक्षाकृत सस्ते संसाधन उपलब्ध कराते थे। इसी कारण भारतीय आईटी उद्योग की कमाई का बड़ा हिस्सा लंबे समय तक अमेरिकी बाजार पर निर्भर रहा। लेकिन यदि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एच-1बी वीजा की फीस को बढ़ाकर 1 लाख डॉलर कर देते हैं, तो इसका असर सीधा-सीधा भारतीय आईटी उद्योग और पेशेवरों पर देखने को मिलेगा।

एच-1बी वीजा वह माध्यम है जिसके जरिये अमेरिका हर साल हजारों विदेशी तकनीकी विशेषज्ञों को नौकरी के लिए अनुमति देता है। इनमें सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की होती है। भारतीय कंपनियां जैसे इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, एचसीएल आदि हर साल हजारों कर्मचारियों को इसी वीजा के जरिए अमेरिका भेजती रही हैं। इसकी फीस अचानक 1 लाख डॉलर करने से यह लागत कंपनियों और कर्मचारियों दोनों के लिए असहनीय हो जाएगी। भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिकी प्रोजेक्ट्स पर काम करने का खर्च बहुत बढ़ जाएगा और वे उतनी आसानी से भारतीय कर्मचारियों को अमेरिका भेज नहीं पाएंगी। लागत में वृद्धि के कारण अमेरिकी क्लाइंट्स को सेवा देने पर भारतीय कंपनियों का मुनाफा कम हो जाएगा, जिससे उनके कॉन्ट्रैक्ट्स की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता प्रभावित होगी। स्थानीय नियुक्तियों में वृद्धि के परिणामस्वरूप भारतीय कंपनियों को मजबूरन अमेरिका में स्थानीय लोगों को नौकरी देनी पड़ेगी, जिससे भारत से बाहर जाने वाले अवसर कम होंगे। इन परिस्थितियों में व्यवसाय मॉडल में बदलाव आएगा, ऑफशोरिंग और रिमोट वर्किंग को और बढ़ावा मिलेगा और कंपनियां अमेरिका के क्लाइंट्स का काम भारत से ही संभालने की दिशा में आगे बढ़ेंगी।

परिणामत: अमेरिका जाकर करियर बनाने का लाखों भारतीय इंजीनियरों का सपना कठिन हो जाएगा क्योंकि बढ़ी हुई फीस ने उसकी संभावना घटा दी है। जब बाहर जाना संभव न हो, तब भारतीय प्रतिभा अपनी तलाश भारत के भीतर करेगी; इससे घरेलू स्टार्टअप्स, आईटी कंपनियों और रिसर्च संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन उपलब्ध होगा। लंबे समय से चल रहे ब्रेन-ड्रेन में भी कमी आएगी, बाहर प्रतिभाशाली युवाओं का पलायन घटने से भारत को अपने ही लोगों की सेवाएं मिलेंगी। यह बदलाव धीरे-धीरे ब्रेन-ड्रेन से ब्रेन-गेन की ओर ले जा सकता है। भारत जैसे विकासशील देश की एक बड़ी समस्या यह रही कि उसने अपने युवाओं को उच्च शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण देकर तैयार तो किया, पर वे विदेश जाकर अपनी सेवाएं देने लगे; अब यदि यह प्रवृत्ति उलटती है तो देश को वह लाभ मिलने लगेगा जो पहले नहीं मिल पाया था।

इससे स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूती मिलेगी। जब योग्य इंजीनियर भारत में ही रहेंगे, तो वे नई कंपनियां शुरू करने और नवाचार करने में योगदान देंगे। रिसर्च और इनोवेशन में वृद्धि होगी। प्रतिभाशाली दिमाग यहां रहेंगे तो नए-नए शोध और तकनीकी आविष्कार होंगे। दुनिया भर की कंपनियां पहले अमेरिका पर निर्भर थीं। अब वे भारत में ही अपनी यूनिट्स और डेवलपमेंट सेंटर्स स्थापित करने को प्रेरित होंगी। आईटी हब के रूप में भारत की पहचान बनेगी। यदि आईटी उद्योग का विस्तार भारत में ही होगा, तो लाखों युवाओं को रोजगार यहीं उपलब्ध होगा। निवेशक कंपनियां जानेंगी कि भारत में टैलेंट उपलब्ध है और अमेरिका जाना मुश्किल है, इसलिए वे सीधे भारत में निवेश करना शुरू करेंगी। हालांकि इससे भारत को अनेक फायदे होंगे, लेकिन कुछ चुनौतियां भी सामने आएंगी। भारतीय कंपनियों को अल्पकाल में नुकसान उठाना पड़ेगा। अमेरिका से मिलने वाला राजस्व घट सकता है। प्रतिस्पर्धा के कारण घरेलू कंपनियों पर दबाव बढ़ेगा। भारत को अपनी आधारभूत संरचना, अनुसंधान और नवाचार के लिए माहौल मजबूत करना होगा, ताकि टैलेंट का सही उपयोग हो सके। अल्पकाल में भले ही आईटी कंपनियों को कठिनाई हो, लेकिन दीर्घकाल में यह भारत के लिए वरदान साबित हो सकता है।

अब तक जो टैलेंट विदेश जाकर काम करता था, वही भारत के डिजिटल परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और नई तकनीकों के विकास में योगदान देगा। अगर भारत का युवा वर्ग यहीं रहकर काम करता है, तो भारत न केवल आईटी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर नेतृत्व की भूमिका भी निभा सकेगा। ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा फीस को 1 लाख डॉलर करने का कदम अल्पकाल में भारतीय आईटी उद्योग के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। लेकिन इसका एक सकारात्मक पहलू भी है -भारतीय टैलेंट भारत में ही रुकेगा, जिससे ब्रेन ड्रेन कम होगा और देश को अपने ही युवाओं की क्षमता का लाभ मिलेगा। यदि भारत अपनी नीतियों और इंफ्रास्ट्रक्चर को सही दिशा में आगे बढ़ाए, तो आने वाले वर्षों में यही कदम भारत की डिजिटल शक्ति को नई ऊंचाई तक पहुंचा सकता है।

इन योगासनों से बिना जिम जाए घटाएं अपना वजन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में वजन बढ़ना एक आम समस्या है। वजन घटाने के लिए लोग जिम जाते हैं। घंटों जिम में पसीना बहाने और महंगे ट्रेनर की देखरेख में शरीर की अतिरिक्त चर्बी घटाई जा सकती हैं लेकिन जिम जाना हर किसी के लिए संभव नहीं होता है। ऐसे में आप घर पर रहकर भी फिट और स्लिम बन सकते हैं। इसका एक नेचुरल और सस्ता तरीका है योगासन। योगासन आपके मेटाबॉलिज्म को तेज करके वजन घटाने में भी मदद करता है। साथ ही शरीर को लचीला बनाता है और इम्यूनिटी को मजबूत करके कई रोगों से भी बचाता है। ऐसे में ये पांच प्रभावशाली योगासन है जो खासतौर पर पेट की चर्बी, जांघों और कुल्हों की चर्बी को कम करने में मदद करते हैं।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन योग का एक प्रमुख आसन है जो आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी है। इसे अंग्रेजी में ट्राएंगल पोज कहा जाता है। यह आसन शरीर को मजबूती और लचीलापन प्रदान करने के साथ-साथ मानसिक शांति भी प्रदान करता है। त्रिकोणासन के अभ्यास से शरीर संतुलित रहता है। ये आसन साइड फैट, कमर और पेट के आसपास की चर्बी को कम करता है।

त्रिकोणासन के अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर दाहिने पैर को 90 डिग्री बाहर की ओर और बाएं पैर को थोड़ा अंदर की ओर मोड़ें। अपने हाथों को कंधे के स्तर तक फैलाएं और श्वास लेते हुए दाहिनी ओर झुकें। दाहिने हाथ से दाहिने पैर को छूने की कोशिश करें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर उठाएं।

उत्कटासन

इस आसन का अभ्यास जांघों और हिप्स को टोन करता है और मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है। उत्कटासन का अभ्यास पेट, जांघों और पीठ के लिए बहुत प्रभावी होता है। इसके अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर अपने हाथों को आगे की ओर फैलाएं। घुटनों को मोड़कर बैठने की मुद्रा बनाएं, जैसे किसी कुर्सी पर बैठे हों। 20-30 सेकंड तक इसी मुद्रा में रहें और फिर धीरे-धीरे सीधे खड़े हो जाएं। इसका अभ्यास पांच बार करें। उत्कटासन को चेयर पोज भी कहा जाता है, इसे करने से पैर, जांघों और कूल्हों पर जमी चर्बी कम होती है और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। नियमित रूप से उत्कटासन का अभ्यास करने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है।

कपालभाति प्राणायाम

कपालभाति प्राणायाम शक्तिशाली श्वास व्यायाम है जो पेट की चर्बी कम करने में बेहद असरदार है। इससे शरीर के विषैले तत्व बाहर निकलते हैं और पेट साफ रहता है। इस आसन के अभ्यास के लिए पद्मासन में बैठें और अपनी कमर सीधी रखें। गहरी सांस लेते हुए तेजी से पेट को अंदर करें और सांस को छोड़ें। लगातार दो से तीन मिनट तक इस आसन को दोहराएं। इसका अभ्यास रोजाना सुबह पांच से 10 मिनट करना चाहिए।

नौकासन

नौकासन पेट और जांघों की चर्बी घटाने के लिए सबसे असरदार योग है। इस आसन के अभ्यास के लिए जमीन पर पीठ के बल सीधे लेटकर हाथों को शरीर के बगल में रखें। फिर सांस लेते हुए पैरों और शरीर के ऊपरी हिस्से को एक साथ ऊपर उठाएं। इस दौरान शरीर का संतुलन बनाए रखें और इस स्थिति में 10-15 सेकेंड रुकें। फिर धीरे-धीरे वापस पुरानी स्थिति में आ जाएं। इसे 30 सेकंड होल्ड करके तीन सेट करें।

भुजंगासन

पेट की मांसपेशियों को टोन करता है और पीठ को भी मजबूत बनाने में भुजंगासन का अभ्यास मदद करता है। इस आसन को तीन से पांच बार दोहराना चाहिए। इसके अभ्यास के लिए पेट के बल लेटकर दोनों हथेलियों को कंधों के पास जमीन पर रखें। अब श्वास लेते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर उठाएं। कुछ पल इसी स्थिति में रुकें और फिर धीरे-धीरे नीचे आ जाएं। इस क्रिया को पांच से सात बार दोहराएं। यह आसन पेट के अंदर हल्का दबाव डालता है जिससे पाचन क्रिया बेहतर होती है। जब आप इस मुद्रा में सांसों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। तो मानसिक तनाव कम होता है और मन शांत होता है। अगर आपको पीठ में तेज़ दर्द है, हर्निया है या हाल ही में कोई ऑपरेशन हुआ है, तो इस आसन को करने से पहले डॉक्टर या किसी योग प्रशिक्षक से सलाह ज़रूर लें।

हंसना मना है

एक मकान मालिक नए किरायेदार को मकान दिखा रहा था। मकान मालिक बोला- इसका किराया 700 रुपए होगा। किरायेदार -ठीक है, लेकिन आपके मकान में तो चूहे नाच रहे हैं! मकान मालिक- तो 700 रुपए में क्या शीला का नाच देखना चाहते हो?

ग्राहक- तुम्हारी भैंस की एक आंख खराब है, फिर भी तुम इसके 25000 मांग रहे हो। आदमी- तुम्हें भैंस दूध के लिए चाहिए या नैन मटक्का के लिए चाहिए?

जज- क्या सबूत है कि जब एक्सीडेंट हुआ, तब तुम कार तेज नहीं चला रहे थे? कार चालक- साहब, मैं अपनी पत्नी को लेने ससुराल जा रहा था। जज- ओह, छोड़ दो इस मासूम को, ऐसे समय कोई भी गाड़ी तेज नहीं चला सकता।

एक महिला एक साधु के पास गई और बोली-महाराज! आपने प्रवचन में कहा था, अहंकार ही सबसे बड़ा पाप है। पर जब मैं आईना देखती हूं, तो सोचती हूं मैं कितनी सुंदर हूं तो मुझे बहुत अहंकार हो जाता है, मैं क्या करूं? साधु महाराज ने कहा- बेटी यह अहंकार नहीं है, ये एक गलतफहमी है और गलतफहमी कोई पाप नहीं।

कहानी — बदसूरत बत्तख

एक बत्तख झील के पास ही पेड़ के नीचे पांच अंडे दिए। उसमें से एक अंडा सबसे बहुत अलग था। उसने अंडों से बच्चों के बाहर आने तक का इंतजार किया। फिर एक सुबह चार अंडों में से नन्हें बच्चे बाहर आ गए। वो सभी बहुत सुंदर और प्यारे थे। लेकिन पांचवें अंडे से अभी तक बच्चा बाहर नहीं आया था। बत्तख ने कहा कि यह पांचवें अंडे का बच्चा उसका सबसे सुंदर बच्चा होगा, तभी एक सुबह वह पांचवां अंडा भी फूट गया। उसमें से एक बदसूरत बत्तख का बच्चा निकला। यह देखर बत्तख मां बहुत उदास हो गई। बदसूरत होने की वजह से उसके सारे भाई-बहन उसका मजाक भी उड़ाते थे और कोई भी उसके साथ नहीं खेलता था। वह बदसूरत बत्तख का बच्चा बहुत उदास रहने लगा। एक दिन झील में अपनी परछाई देखते हुए वह बदसूरत बत्तख सोचने लगा कि अगर उसने अपने परिवार को छोड़ दिया, तो वो सारे बहुत खुश हो जाएंगे। यही सोचकर वह घने जंगल में चला गया। जल्द ही सर्दियों के दिन आ गए। हर तरफ बर्फ की बारिश हो रही थी। बदसूरत बत्तख को ठंड लग रही थी। उसके पास खाने-पीने के लिए भी कुछ नहीं था। वहां से वह एक बत्तख के परिवार के पास गया, उन्होंने उसे भगा दिया। फिर वो मुर्गी के घर गया, मुर्गी ने भी चोंच मारकर भगा दिया। रास्ते में उसे कुत्ता दिखा, लेकिन वह भी छोड़कर चला गया। बदसूरत बत्तख उदास मन से सोचने लगा कि वह इतना बदसूरत है कि कुत्ता भी उसे नहीं खाना चाहता है। उदास होकर वह फिर से जंगल जाने लगा। रास्ते में उसे एक किसान दिखाई दिया। वह किसान उस बदसूरत बत्तख को अपने घर ले गया। वहां पर उसे एक बिल्ली परेशान करने लगी, तो वह वहां से भी भाग गया और फिर से एक जंगल में रहने लगा। कुछ ही दिनों में बसंत का मौसम आ गया। अब वह बदसूरत बत्तख भी काफी बड़ा हो गया था। एक दिन वह एक नदी के किनारे टहल रहा था। वहां पर उसने एक सुंदर राजहंसी को देखा, जिससे उसे प्यार हो गया। लेकिन फिर उसे लगा कि वह एक बदसूरत बत्तख है इसलिए उसे वह राजहंसी कभी नहीं मिलेगी। शर्म से उसने अपना सिर झुका लिया। तभी उसने नहीं के पानी में अपनी परछाई देखी और वह हैरान हो गया। उसने देखा अब वह बहुत बड़ा हो गया है और एक सुंदर राजहंस में बदल गया है। उसे यह एहसास हो गया कि वह एक हंस है, तभी अपने बाकी के बत्तख भाई-बहनों से काफी अलग था। जल्द ही उस बदसूरत बत्तख से राजहंस बने उस हंस ने हंसनि से शादी कर ली और दोनों खुशी-खुशी रहने लगे।

7 अंतर खोजें

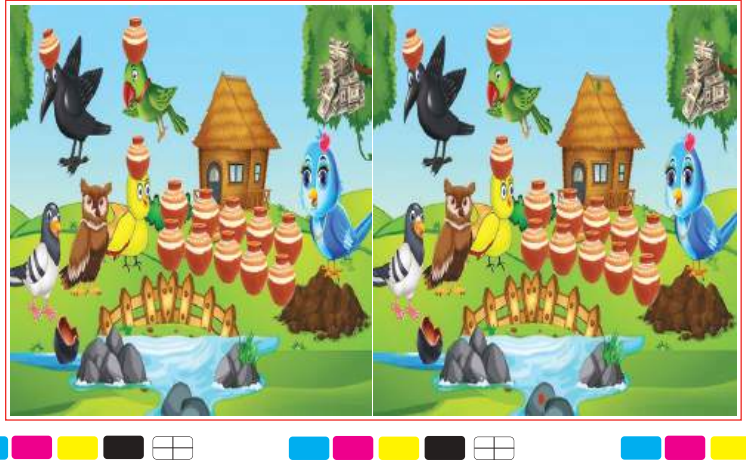

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ — किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

मिथुन — व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी।

कर्क — कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

सिंह — तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

कन्या — यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। कार्य पर ध्यान दें।

वृश्चिक — कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

धनु — किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर — परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुम्भ — जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है।

मीन — किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

अभिषेक-ऐश्वर्या ने किया हाईकोर्ट का रुख यूट्यूब पर ठोका चार करोड़ का मुकदमा

तकनीक और एआई के जरिए सितारों की तस्वीरों और वीडियो के साथ छेड़छाड़ कर उनकी छवि खराब करने का खतरा काफी बढ़ा है। कुछ दिनों पहले ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन ने अपने व्यक्तित्व प्रतीकों की सुरक्षा के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अब कपल ने एक बार फिर हाईकोर्ट का रुख किया है। ऐश्वर्या और अभिषेक ने कथित तौर पर गूगल और यूट्यूब के खिलाफ एक्शन लेते हुए चार करोड़ रुपये का मुकदमा ठोका है। ऐश्वर्या और अभिषेक ने गूगल-यूट्यूब प्लेटफॉर्म्स पर डीपफेक और अनधिकृत एआई कंटेंट में उनकी तस्वीरों और वीडियो का दुरुपयोग करने की अनुमति देने का आरोप लगाया है।

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन ने कथित तौर पर यूट्यूब और उसकी पैरेंट कंपनी गूगल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। अभिषेक और ऐश्वर्या ने चार करोड़ रुपये का केस किया है। फी प्रेस जर्नल के अनुसार,

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अभिषेक- ऐश्वर्या ने तर्क दिया है कि यूट्यूब के कंटेंट और थर्ड-पार्टी ट्रेनिंग पॉलीसी चिंताजनक हैं। मामले को आगे स्पष्ट करते हुए दस्तावेजों में कहा गया है, एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहे ऐसे कंटेंट से किसी भी उल्लंघनकारी कंटेंट के इस्तेमाल की घटनाओं में कई गुना इजाफा होने की संभावना है। यानी पहले यूट्यूब पर अपलोड किए जा रहे कंटेंट जनता द्वारा देखा जाना और फिर प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल किया जाना।

आपत्तिजनक कंटेंट पर जताई चिंता

कपल के मुकदमे में अश्लील एवं आपत्तिजनक एआई-जनित कंटेंट पर निशाना साधा है। ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन का कहना है कि यूट्यूब को ऐसे सुरक्षा उपाय अपनाने चाहिए, जिससे उनके नाम, आवाज और तस्वीरों का गलत इस्तेमाल एआई कंटेंट में न किया जा सके। इस चैनल में एक यूट्यूब चैनल का जिक्र भी किया गया है, जिस पर ऐश्वर्या राय और सलमान खान को कथित तौर पर आपत्तिजनक तरीके से दिखाया गया है।

बैटल ऑफ गलवान में हुई चित्रांगदा की इंट्री, 10 से पुनः होगी फिल्म की शूटिंग

सलमान खान इन दिनों अपनी नई फिल्म बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बन रही यह फिल्म साल 2020 में भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग लद्दाख की वादियों में पूरी की गई थी और अब खबर है कि इसका दूसरा शेड्यूल मुंबई में शुरू होने जा रहा है।

बैटल ऑफ गलवान का दूसरा और आखिरी शेड्यूल 10 अक्टूबर 2025 से मुंबई में शुरू होगा। फिल्म की टीम ने पहले ही मुंबई में लोकेशन्स का रेक्की कर लिया है, हालांकि शूटिंग की जगहों को फिलहाल गुप्त रखा गया है। इस शेड्यूल में सलमान खान के साथ-साथ अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह भी हिस्सा लेंगी। बताया जा रहा है कि यह शेड्यूल नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। लद्दाख में 45 दिन तक चले शूटिंग शेड्यूल के दौरान सलमान खान का लुक दमदार और रफ-टफ रखा गया था। वहीं, मुंबई लौटते ही उन्होंने अपनी दाढ़ी-मूंछ शेव कर क्लीन-शेव अवतार में एयरपोर्ट पर नजर आए।

बॉलीवुड | मसाला

क्यों खास है बैटल ऑफ गलवान?

यह फिल्म सिर्फ एक युद्ध कथा नहीं बल्कि भारतीय सैनिकों की शौर्य गाथा को बड़े पर्दे पर पेश करने की कोशिश है। अपूर्व लाखिया अपने एक्शन और रियलिस्टिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं और ऐसे में उम्मीद है कि बैटल ऑफ गलवान युद्ध पर आधारित फिल्मों में एक खास पहचान बना सकती है। फिल्म में सलमान खान एक आर्मी अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जो देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए हर हद तक जाता है। उनके साथ अभिनेता अंकुर भाटिया भी अहम किरदार में नजर आएंगे।

फैन्स को सलमान का यह नया अंदाज देखकर और भी बेसब्री से फिल्म के फर्स्ट लुक का इंतजार है।

बॉलीवुड | मन की बात

एक वक्त था जब मेरे पास खाने के सिर्फ 11 रुपये थे : अर्चना

अर्चना पूरन सिंह अपने बेबाक, जोरदार हंसी और हल्के-फुल्के यूट्यूब व्लॉग्स के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करती हैं। व्लॉग में अक्सर अर्चना अपने परिवार के साथ पर्सनल और प्रोफेशन जिंदगी की झलकियां शेयर करती हैं। अपने नए वीडियो में उन्होंने मुंबई में एक पारंपरिक गुजराती थाली का आनंद लेने के लिए अपने परिवार के साथ बाहर जाते हुए दिखाया। व्लॉग के दौरान, अर्चना ने मुंबई में अपने शुरुआती संघर्ष के दिनों को याद किया, जब हर एक रुपये की कीमत होती थी। रेस्टोरेंट पहुंचने पर अर्चना ने याद किया, एक वक्त था जब यहां विहार भी होता था और 10 रुपये का डोसा मिलता था। मेरे पास सिर्फ 10 रुपये ही होते थे और 1 रुपये टिप के लिए। मेरे दोस्त पूछते थे कि मैंने लस्सी क्यों नहीं ली, और मैं कहती थी क्योंकि मेरे पास सिर्फ 11 रुपये थे और मैं उतना ही खर्च कर सकती थी। वह मेरे लिए काफी था। इसी व्लॉग में बेटे आर्यमान की मंगेतर और एक्ट्रेस योगिता बिहानी को खाते हुए देखकर अर्चना ने मजाक में कहा, इससे बेहतर बहू घर में नहीं आ सकती थी, क्योंकि जिस तरह मैं खाती थी जब ये (परमीत) मुझसे मिला था मुझे इतनी जानकारी नहीं थी कि ये ऐसे बनता है, वैसे बनता है। मुझे बस स्वाद पता था। पराठे खाओ तो 7-8। मक्खन के साथ खाओ। यही बात उसे मेरे बारे में प्रभावित करती थी। अब मैं इससे प्रभावित हूं। ये मुझसे भी बेहतर खाती है। अर्चना ने अक्सर अपने संघर्षों के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि कैसे उनकी मां ने उन्हें दिल्ली से मुंबई सिर्फ एक सूटकेस के साथ भेजा था। उन्होंने 20 साल की उम्र में बीआर चोपड़ा की फिल्म निकाह से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने अग्निपथ, सौदागर, शोला और शबनम, आशिक आवारा और राजा हिंदुस्तानी जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी कुछ अन्य यादगार भूमिकाएं बोल बच्चन, कुछ कुछ होता है, मोहब्बतें थीं।

ये है दुनिया का सबसे छोटा देश, यहां रहते हैं सिर्फ 882 लोग, बच्चे पैदा करने पर है मनाही

दुनिया में ऐसे कई आश्चर्य हैं जो आंखें फाड़ देने पर मजबूर कर देते हैं, लेकिन वेटिकन सिटी का मामला तो बिल्कुल अलग है। यह ना सिर्फ पृथ्वी का सबसे छोटा स्वतंत्र देश है, बल्कि भारत के किसी बड़े शहर के सब्जी बाजार से भी छोटा है। इसका कुल क्षेत्रफल महज 0.44 वर्ग किलोमीटर-यानी करीब 44 हेक्टेयर- और आबादी सिर्फ 882 है। कल्पना कीजिए, दिल्ली का चांदनी चौक या मुंबई का क्रॉफर्ड मार्केट इससे कहीं बड़ा है। फिर भी, यह छोटा सा एन्क्लेव रोम शहर के बीचों-बीच बसा है और कैथोलिक चर्च का वैश्विक केंद्र माना जाता है। वेटिकन सिटी की स्थापना 1929 में लेटरन संधि से हुई, जब पोप पियस XI और इटली के तत्कालीन प्रधानमंत्री बेनिटो मुसोलिनी ने हस्ताक्षर किये। इससे पहले, 1870 तक पोप रोम पर शासन करते थे, लेकिन इटली के एकीकरण के बाद वेटिकन को आजादी मिली। आज यह देश पोप फ्रांसिस के नेतृत्व में चलता है, जो दुनिया के 1.3 अरब कैथोलिकों के आध्यात्मिक नेता हैं। लेकिन चौंकाने वाली बात ये है कि यहां कोई बच्चा पैदा नहीं होता! नागरिकता जन्मसिद्ध नहीं, बल्कि काम के आधार पर मिलती है-जैसे पादरी, कार्डिनल या स्विस गार्ड। ज्यादातर निवासी इटली, स्पेन, फिलीपींस और अन्य देशों से आते हैं। 2024 के आंकड़ों के मुताबिक, यहां कुल 882 निवासी हैं, जिनमें 453 नागरिक शामिल हैं। बाकी 372 वेटिकन नागरिक विदेश में रहते हैं। 2025 में आबादी लगभग 764-882 के बीच अनुमानित है, लेकिन पर्यटकों की संख्या इससे कहीं ज्यादा—हर साल 5 मिलियन से ज्यादा दर्ज की गई है। अब बात करते हैं इस देश के आश्चर्यों की। वेटिकन में दुनिया का सबसे बड़ा चर्च-सेंट पीटर्स बेसिलिका है, जहां माइकलएंजेलो की मास्टरपीस 'द लास्ट जजमेंट' दीवार पर उकेरी गई है। वेटिकन म्यूजियम में 70,000 से ज्यादा कला वस्तुएं हैं, जिनकी कीमत अरबों डॉलर है। लेकिन शॉकिंग फैक्ट ये है कि यहां कोई जेल नहीं है। अपराध होते हैं तो दोषी को इटली डिपोर्ट कर दिया जाता है। फिर भी, प्रति व्यक्ति अपराध दर दुनिया में सबसे ऊंची है। क्योंकि चोरी, जेबकतरी और धोखाधड़ी के मामले पर्यटकों के बीच आम हैं।

अजब-गजब | जहरीले सांपों के बीच रहते हैं यहां के लोग

यहां के लोग कोबरा का जहर बेच कमाते हैं पैसे, फिर भी जीते हैं बदहाल जिंदगी!

दुनियाभर के अलग-अलग हिस्सों में एक से बढ़कर एक जहरीले सांप मौजूद हैं। ब्लैक माम्बा से लेकर इनलैंड ताइपन और कोबरा तक, अगर इन सांपों ने किसी को काट लिया, तो उसका जिंदा बचना मुश्किल होता है। ऐसे में अगर कोई सांप हमारे सामने आ जाता है, तो हालत खराब हो जाती है। ऐसा लगता है मानो हमारी आंखों के सामने मौत आ गई हो। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसी भी जनजाति है, जो इन जहरीले सांपों के साथ रहती है, वो भी रेगिस्तान के बीचों-बीच? सुनकर हैरानी होगी, लेकिन यह राजस्थान में रहने वाली 'कबैल जनजाति' है। इसे संपेरा समुदाय भी कहा जाता है। ये सांपों का जहर बेचकर पैसा कमाते हैं, लेकिन इनकी लाइफ आज भी बदहाल है। हाल ही में एक विदेशी व्लॉगर ने इस जनजाति पर एक डिटेल वीडियो बनाया है, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है।

इस वीडियो में दिखाया गया है कि ये लोग जहरीले कोबरा सांपों के साथ किस तरह से रहते हैं और उनका जहर ही कमाई का जरिया है। इस कबैल जनजाति की जड़ें उत्तर भारत में मानी जाती हैं और ये सदियों से एक जगह से दूसरी जगह घूमते रहे हैं। इनका जीवन आज भी टेंटों और

झोपड़ियों में ही गुजरता है, जहां नाच-गाना और सांपों का खेल इनकी ज़िंदगी का हिस्सा है। इस जनजाति का मुख्य काम है कोबरा जैसे जहरीले सांपों को पकड़ना और पालना। वीडियो में दिखाया गया है कि ये लोग रोजाना सांपों का शिकार करते हैं और उनके जहर को निकालते हैं। इस जहर को ये लोग बाजार में बेचते हैं, जिसका इस्तेमाल आयुर्वेदिक और पारंपरिक दवाओं में किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि सांप के जहर में कई गुण होते हैं जो गंभीर बीमारियों का इलाज कर सकते हैं। इसके अलावा ये लोग सांपों को लेकर पर्यटकों के सामने खेल दिखाकर पैसे कमाते हैं। उनकी अनोखी लाइफस्टाइल और खतरनाक पेशा उन्हें बाकी समाज से अलग करता है, जिसकी वजह से वे आज भी शिक्षा और आधुनिक सुविधाओं से दूर हैं। इस जनजाति का एक रिवाज सबसे ज्यादा चौंकाने वाला है, जिस पर आंख मूंदकर भरोसा करना खतरनाक साबित हो सकता है। वीडियो में दिखाया गया है कि ये लोग कोबरा सांप के जहर को एक खास प्रक्रिया से आंखों में डालते हैं। वे मानते हैं कि जहर की यह बूंद आंखों की रोशनी को तेज करती है और बीमारियों को दूर रखती है। यह प्राचीन नुस्खा उनकी पारंपरिक चिकित्सा का हिस्सा है, जिस पर वे सदियों से भरोसा करते आए हैं। लेकिन विज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के हिसाब से जहर को सीधे आंखों में डालना जानलेवा हो सकता है। बता दें कि आज भी कबैल जनजाति के लोग एक जगह टिककर नहीं रहते और हमेशा घूमते रहते हैं, जिसकी वजह से उन्हें आर्थिक रूप से हमेशा संघर्ष करना पड़ता है। हालांकि, उनके पास संगीत और नृत्य की अपनी खास कला है, जिसके जरिए वे अपनी संस्कृति को ज़िंदा रखते हैं। ये लोग अंधविश्वास और जादू-टोना जैसी चीजों पर भी बहुत भरोसा करते हैं।

देश की आधी जीडीपी सिर्फ 368 अमीरों के पास : पटवारी

कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

» बोले- मुख्यमंत्री मोहन यादव को गांधी के मार्ग पर चलना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा राजधानी में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान गांधी जी की प्रतिमा पर भजन 'रघुपति राघव राजा राम' की धुनों के बीच पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद मिंटो हॉल चौराहे पर स्थित शास्त्री जी की प्रतिमा और प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में भी श्रद्धांजलि दी गई। जीतू पटवारी ने देश में बढ़ती आर्थिक असमानता और सामाजिक विषमता को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

देश की आधी जीडीपी सिर्फ 368 अमीरों के पास है, जबकि 50 करोड़ लोगों के पास केवल 1 प्रतिशत धन है। उन्होंने कहा कि हर घर में बेरोजगारी है, महंगाई चरम पर है, और युवा वर्ग नशे के जाल में फंस रहा है। पटवारी ने कहा कि राहुल गांधी ने जो बात कही थी, वह सच साबित हो रही है देश में दो भारत बनते जा रहे हैं।

जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री से अपील करते हुए कहा कि अगर वे वास्तव में गांधी जी का सम्मान करते हैं, तो उनके आदर्शों को अपनाएं। नफरत से नहीं, प्रेम और अहिंसा से ही देश को आगे बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि गांधी और शास्त्री के विचारों को आमजन तक पहुंचाया जाएगा और उनके दिखाए गए रास्ते पर चलकर प्रदेश में भाईचारा, समानता और न्याय की भावना को मजबूत किया जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष ने उठाए गंभीर सवाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस मौके पर कहा कि गांधी और शास्त्री जैसे महापुरुषों के आदर्श आज भी समाज को जोड़ने और देश को सही दिशा देने के लिए प्रासंगिक हैं। गांधी का सत्य और अहिंसा का मार्ग, शास्त्री का जय जवान, जय किसानका संदेश आज भी हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं। लेकिन सत्ता में बैठे लोग सिर्फ उनका नाम लेते हैं, उनके रास्ते पर नहीं चलते। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री गांधी जी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर देते तो उनके पद की गरिमा और बढ़ती। दुर्भाग्य है कि सत्ता पक्ष केवल दिखावे के लिए गांधी का नाम लेता है, पर उनके विचारों से दूर भागता है।

जासूसी कैमरा विवाद

टीकाराम जूली ने राष्ट्रपति से मिलने का मांगा समय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान भड़का जासूसी कैमरा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। कांग्रेस इस मुद्दे को छोड़ने को तैयार नहीं है। राजस्थान में जासूसी कैमरा विवाद को लेकर विधानसभा में धरने प्रदर्शन के बाद राज्यपाल को ज्ञापन दे चुकी कांग्रेस अब आरोप लगा रही है कि प्रदेश में इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हो रही। इसलिए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस मामले में राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है। जूली ने कहा कि यह घटना लोकतंत्र की गरिमा और संवैधानिक संस्थाओं की पवित्रता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। यह घटना न केवल विपक्षी विधायकों की निजता का हनन है, बल्कि जनता के विश्वास के साथ सीधा खिलवाड़ भी है।

जूली ने बताया कि विपक्षी दल के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल से मिलकर कर उन्हें समस्त तथ्यों से अवगत कराया था और निष्पक्ष जांच की मांग रखी थी। जूली ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में लोकतंत्र की रक्षा एवं संविधान की मर्यादा बनाए रखने हेतु उन्होंने राष्ट्रपति से समय प्रदान करने का आग्रह किया है। लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्थाएं संसद और विधानसभाएं हैं। यदि इन्हीं पर संदेह और जासूसी का वातावरण बनेगा तो यह पूरे देश के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस लड़ाई को जनता और लोकतंत्र के हित में अंत तक लड़ेगा। किसी भी कीमत पर लोकतांत्रिक मूल्यों और विधायकों की गरिमा पर आंच नहीं आने दी जाएगी।

भारत में सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले भारतीय बने बुमराह

» 24 पारियों में ऐसा कर की श्रीनाथ के रिकार्ड की बराबरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन प्रभावित किया। बुमराह एशिया कप में भी शानदार फॉर्म में थे और उन्होंने इस लय को टेस्ट प्रारूप में भी बरकरार रखी। बुमराह ने पहली पारी में तीन विकेट लिए और इसके साथ ही उन्होंने जवागल श्रीनाथ के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। बुमराह भारत में सबसे तेज 50 विकेट पूरे करने वाले तेज गेंदबाज बन गए।

बुमराह ने इस दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। उन्होंने भारत में 24 टेस्ट पारियों में 50 विकेट पूरे कर लिए। इस सीरीज से पहले बुमराह के भारत में 47 विकेट थे। बुमराह से पहले श्रीनाथ ने भी इतनी ही पारियों में भारत में 50 टेस्ट विकेट पूरे किए थे। इस सूची में तीसरे स्थान पर कपिल देव हैं जिन्होंने 25 पारियों में भारत में 50 टेस्ट विकेट पूरे किए थे। वहीं, ईशांत शर्मा और मोहम्मद शमी ने 27-27 पारियों में ऐसा किया है। वेस्टइंडीज की पहली पारी 162 रन पर सिमट गई। इसमें सीराज के बाद सबसे ज्यादा विकेट बुमराह ने लिय। बुमराह ने तीन खिलाड़ियों को आउट किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने शुरुआती घंटे में ही 42 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। जिसमें बुमराह ने जॉन कैंपबेल (8) को आउट किया। इसके बाद बुमराह ने दो घातक यॉर्कर पर जस्टिन ग्रीव्स (32) और जोहान लेन (1) को क्लीन बोल्ड किया।

नामीबिया-जिम्बाब्वे ने टी20 विश्वकप के लिए किया क्वालिफाई

नई दिल्ली। नामीबिया और जिम्बाब्वे ने अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया है। अफ्रीका क्षेत्रीय फाइनल में दोनों टीमें सेमीफाइनल तक पहुंचकर क्वालीफिकेशन सुनिश्चित करने में सफल रहीं। हरारे में खेले गए मुकाबलों में नामीबिया ने पहले सेमीफाइनल में तंजानिया को हराया, जबकि जिम्बाब्वे ने दूसरे सेमीफाइनल में कीनिया को मात दी। इस तरह दोनों देशों ने अफ्रीका से विश्व कप का टिकट हासिल किया। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि अब टूर्नामेंट के लिए शेष तीन स्थान एशिया और ईएपी (ईस्ट एशिया पैसिफिक) क्वालिफायर से तय होंगे। नामीबिया अब तक चार बार पुरुष टी20 विश्व कप खेल चुका है और 2021 में सुपर-12 चरण तक पहुंचा था। दूसरी ओर, जिम्बाब्वे 2024 विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाया था और इस बार उसकी जोरदार वापसी हुई है। फरवरी-मार्च 2026 में भारत और श्रीलंका मिलकर टी20 विश्व कप की मेजबानी करेंगे।

मोदी ने खरगे से की बात

» सर्जरी के बाद की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से बात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। एक्स पर एक पोस्ट में, मोदी ने लिखा, खरगे जी से बात की। उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उनके निरंतर स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता हूं।

खरगे जिन्हें हाल ही में पेसमेकर लगाया गया था, की हालत स्थिर बताई गई है और उनके 3 अक्टूबर से अपने आधिकारिक कार्यों को फिर से शुरू करने की उम्मीद है, उनके बेटे और कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा। खरगे के लिए पेसमेकर प्रत्यारोपण प्रक्रिया आज सफलतापूर्वक पूरी हो गई। यह एक छोटी और मामूली प्रक्रिया थी और प्रक्रिया के बाद उनकी हालत स्थिर है।

मराठाओं को न मिले ओबीसी के हिस्से का आरक्षण : पंकजा मुंडे

» भाजपा मंत्री बोलीं- समुदाय का संघर्ष देख मुझे नींद नहीं आती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बार फिर आरक्षण का मुद्दा उठने लगा है। मंत्री पंकजा मुंडे ने दशहरा रैली में स्पष्ट कहा कि मराठा समुदाय को आरक्षण मिलना चाहिए, लेकिन यह आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की हिस्सेदारी से नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ओबीसी पहले से ही संघर्ष और भूख से जूझ रहे हैं, इसलिए उनकी थाली से आरक्षण देना उचित नहीं होगा। मुंडे ने बीड जिले के सावरगांव घाट में रैली को संबोधित करते हुए लोगों से अपील की कि जातिवाद के दानव को समाज से नष्ट किया जाना चाहिए।

पंकजा मुंडे ने कहा कि उनके पिता गोपीनाथ मुंडे भी मराठा आरक्षण के समर्थक थे और वे स्वयं भी इसके पक्ष में हैं। उन्होंने दोहराया कि हमारा उद्देश्य मराठा आरक्षण दिलाना है, लेकिन ओबीसी की हिस्सेदारी से किसी प्रकार की कटौती नहीं होनी चाहिए। मेरा समुदाय आज भूखा मर रहा है और संघर्ष देखकर मुझे नींद नहीं आती। उन्होंने रैली में उपस्थित लोगों को भी जागरूक किया कि मराठा आरक्षण सिर्फ उनका हक है, किसी और समुदाय की हिस्सेदारी से यह लिया नहीं जाना चाहिए।

भाजपा ने कश्मीरियों को संकट में डाला: मुफ्ती

» पूर्व सीएम का आरोप- बंदूक की नोक पर राष्ट्रगान के लिए खड़ा करना दुर्भाग्यपूर्ण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भाजपा पर कश्मीर के लोगों को मुश्किल में डालने का आरोप लगाया। कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोगों को बंदूक की नोक पर राष्ट्रगान के लिए खड़े होने के लिए मजबूर किया जाता है। मुफ्ती ने कहा, मुझे अपने छात्र जीवन याद हैं जब भी राष्ट्रगान बजता था हम उसके सम्मान में खड़े होते थे। कोई जबरदस्ती नहीं की जाती थी। यह भाजपा की विफलता है। वह मंगलवार शाम टीआरसी फुटबॉल मैदान में राष्ट्रगान बजने के दौरान बैठे देखे गए एक दर्जन युवकों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रही थीं।

मुफ्ती ने शहर के छत्तबल में डेयरी फार्म ग्राउंड का भी दौरा किया। जहां स्थानीय लोगों से बातचीत की जो मांग कर रहे हैं कि यह सुविधा उनके लिए खुली रहे क्योंकि यह उनके लिए उपलब्ध एकमात्र खेल सुविधा है। उन्होंने कहा, इस जगह का इस्तेमाल दशकों से खेलों के लिए किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी मन की बात में पुलवामा में रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट की सराहना की थी। सेना के कोर कमांडर से अपील है कि युवाओं को खेल के मैदान से वंचित न करें। शहीदों के लिए स्मारक कहीं भी बना सकते हैं।

खेल के मैदान का इस्तेमाल शहीद स्मारक बनाने में न करें

पूर्व मुख्यमंत्री ने बागात बरजुल्ला स्थित मुस्लिम एजुकेशनल ट्रस्ट (एमईटी) के खेल के मैदान का दौरा किया। ऐसी खबरें हैं कि पुलिस उस जमीन का इस्तेमाल शहीद स्मारक बनाने के लिए करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, मैं डीजीपी से इस मामले में हस्तक्षेप करने और एमईटी स्कूल के मैदान को खाली करने की अपील करती हूं ताकि युवा और स्थानीय निवासी इस सार्वजनिक स्थान का उपयोग खेल और विवाह जैसी गतिविधियों के लिए कर सकें। अगर यह मैदान भी छीन लिया गया तो युवा भटक सकते हैं।

कोलंबिया में राहुल के बयान से देश में घमासान

भाजपा ने कांग्रेस व नेता प्रतिपक्ष किया तीखा प्रहार, बोले नेता प्रतिपक्ष- भाजपा-आरएसएस में कायरता भरी पड़ी

» मोदी सरकार को घेरा
भारत में लोकतंत्र पर हमला सबसे बड़ा खतरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कोलंबिया में मोदी सरकार पर भारत के लोकतंत्र को खतरे में डालने का आरोप लगाया, इसे देश के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। उन्होंने भाजपा-आरएसएस की विचारधारा को कायरता पर आधारित बताते हुए कहा कि यह कमजोरों को निशाना बनाती है और देश की विविधता के लिए खतरा है। राहुल ने लद्दाख और बिहार में सरकार की नीतियों की भी आलोचना की। उधर राहुल के बयान के बाद से देश में सियासी कोहराम मच गया है।

भाजपा ने कांग्रेस व सांसद राहुल गांधी पर जोरदार प्रहार करते हुए कहा कि वह देश को विदेशों में बदनाम करत हैं। राहुल गांधी ने स्वीकार किया कि भारत में इंजीनियरिंग और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में मजबूत क्षमताएं हैं, जिसके कारण वह देश के भविष्य को लेकर आशावादी हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि देश को कुछ संरचनात्मक खामियों को ठीक करने की जरूरत है, जिनमें सबसे बड़ी चुनौती लोकतंत्र पर हो रहा व्यापक हमला है। गांधी ने जोर देकर कहा कि भारत कई धर्मों, परंपराओं, भाषाओं और विचारों का देश है। इन विविध संस्कृतियों को फलने-फूलने के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था ही सबसे अच्छा स्थान देती है, और इसी व्यवस्था पर हमला हो रहा है, जो कि एक बड़ा खतरा है।

कमजोर को पीटना, बलवान से दूर भागना बीजेपी-आरएसएस की यही विचारधारा है

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि कायरताआरएसएस और बीजेपी की विचारधारा की जड़ में है। उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के 2023 में दिए बयान का हवाला देते हुए कहा कि संघ और बीजेपी की सोच कमजोर लोगों पर हमला करना और ताकतवरों से भागना है। राहुल गांधी ने कहा, अगर आप ध्यान दें, विदेश मंत्री ने कहा कि चीन हमसे कहीं ज्यादा शक्तिशाली है। मैं उनसे लड़ाई कैसे करू? इसकी जड़ में कायरता है। उन्होंने विनायक दामोदर सावरकर की किताब का हवाला दिया, जिसमें सावरकर ने लिखा था कि उन्होंने और उनके दोस्तों ने एक मुस्लिम व्यक्ति को पीटा और उस दिन खुश महसूस किया। राहुल गांधी ने कहा, अगर पांच लोग एक व्यक्ति को पीटें और उनमें से किसी को खुशी हो, तो यह कायरता है। यही RSS की विचारधारा है-कमजोर लोगों को पीटना।

विदेशी धरती से भारत विरोधी बातें करना उनकी पुरानी आदत : भंडारी

भाजपा ने राहुल गांधी के कोलंबिया बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि वे भारत की प्रगति से जलन के कारण लोकतंत्र पर हमला कर रहे हैं। प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने गांधी-वाड्रा परिवार पर 70 सालों तक देश को पिछड़ा रखने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया, जबकि अब भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन गया है। यह बयानबाजी भारत की आर्थिक प्रगति और विपक्षी आलोचना के बीच के तनाव को उजागर करती है। भाजपा के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने राहुल गांधी को भारत विरोधी और देश की प्रगति से नफरत करने वाला बताया। प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि केवल भारत और उसकी प्रगति से नफरत करने वाला व्यक्ति ही विदेशी धरती पर जाकर यह कह सकता है कि भारत अग्रणी नहीं हो सकता।

जनता माफ नहीं करेगी : रविशंकर प्रसाद

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर विदेशी धरती पर भारत का अपमान करने का आरोप लगाया और केंद्र सरकार पर उनके लोकतंत्र पर हमले के आरोप का बचाव किया। यहाँ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी सत्ता के लिए ऐसी टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के विकास को गाली देने का भी आरोप लगाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी विदेश में हैं। अच्छा होता अगर वह भारत की भलाई की कामना करते, लेकिन वह भारत पर हमला कर रहे हैं। वह हर बात निराधार कहते हैं। वह कहते हैं कि भारत में लोकतंत्र नहीं है। यहाँ पूर्ण लोकतंत्र है, लेकिन राहुल गांधी के साथ समस्या यह है कि वह सत्ता चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, लंबिया के बोगोटा में, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत में लोकतंत्र नहीं है और लोगों को बोलने की आज़ादी नहीं है। राहुल गांधी सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री मोदी और देश के विकास को गाली देते हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि अगर राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं के दौरान भारत का अपमान करते रहेंगे, तो जनता उन्हें वोट नहीं देगी। प्रसाद ने आगे कहा कि चीन के प्रति उनका प्रेम तब स्पष्ट हो गया था जब उन्होंने कहा था कि भारत एक वैश्विक शक्ति नहीं बन सकता। उन्होंने कहा कि अगर आप विदेश जाकर भारत का अपमान करेंगे, तो जनता आपको वोट नहीं देगी और आप इस बार जीती हुई सीटें नहीं जीत पाएँगे। अब आप चीन की तारीफ़ कर रहे हैं और कह रहे हैं कि भारत एक बड़ी वैश्विक शक्ति नहीं बन सकता, लेकिन चीन दुनिया का नेतृत्व कर सकता है।

रावण दहन के पुतले को लेकर मचा बवाल

» एवीबीपी और लेफ्ट ग्रुप के बीच भिड़ंत
» उमर खालिद और शरजील की फोटो लगाने पर की आपत्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में 2 अक्टूबर को विजयादशमी के अवसर पर आयोजित विसर्जन शोभा यात्रा के दौरान एक हिंसक झड़प हुई। यह झड़प छात्र समूहों द्वारा किए गए प्रतीकात्मक प्रदर्शनों से उपजी थी, जिनमें से प्रत्येक ने एक-दूसरे पर उकसावे का आरोप लगाया था।

जेएनयूएसयू के संयुक्त सचिव वैभव मीणा के अनुसार, विश्वविद्यालय छात्र संघ ने विजयादशमी समारोह के उपलक्ष्य में साबरमती ढाबा पर प्रतीकात्मक रावण दहन का आयोजन किया था। इस अनुष्ठान के दौरान अफ़ज़ल गुरु, उमर खालिद, शरजील इमाम, जी साईं बाबा और चारु मजूमदार सहित नक्सली या वामपंथी आंदोलनों से जुड़े व्यक्तियों के पुतले और पोस्टर जलाए गए। मीणा ने कहा कि इस कृत्य का उद्देश्य परिसर में नक्सल जैसी ताकतों का प्रतीकात्मक रूप से खंडन करना था। पुतले दहन के बाद, दुर्गा प्रतिमाओं और छात्रों के साथ पूरे परिसर में विसर्जन शोभा यात्रा निकाली गई।

हालाँकि, वामपंथी छात्र समूहों ने इस घटना को बेहद भड़काऊ बताया। उन्होंने आयोजकों पर जेएनयू के पूर्व छात्रों उमर खालिद और शरजील इमाम, जो अपनी राजनीतिक सक्रियता के लिए जाने जाते हैं, को दुष्ट व्यक्ति के रूप में गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया। जेएनयूएसयू अध्यक्ष नीतीश कुमार ने आरोप लगाया कि समस्या तब शुरू हुई जब ऑनलाइन पोस्टर प्रसारित हुए जिनमें रावण दहन की बात कही गई थी, जिसमें खालिद और इमाम के पुतले भी शामिल थे। उन्होंने कहा, वे गोडसे का पुतला नहीं जला रहे हैं, बल्कि लोकतंत्र और मानवाधिकारों के लिए आवाज़ उठाने वालों को जलाने की कोशिश कर रहे हैं। वामपंथी छात्र समूह साबरमती टी पॉइंट पर अपने विरोध प्रदर्शन के लिए इकट्ठा हुए थे और विरोधी गुट पर संवैधानिक अधिकारों की वकालत करने वाले कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया था। दुर्गा विसर्जन जुलूस के धरना स्थल से गुज़रते ही तनाव बढ़ गया। मीणा ने दावा किया कि वामपंथी समूहों के सदस्यों ने यात्रा में शामिल छात्रों पर चप्पल और जूते फेंके, जिससे कुछ घायल हो गए। उन्होंने कहा कि छात्र संघ इस घटना के संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराएगा।

महानगर में स्कूली वैन और फार्च्यूनर की भिड़ंत दो छात्राएं घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में बेलगाम रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा। वजीरगंज में हुए दर्दनाक हादसे की गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि महानगर थाना क्षेत्र में एक और बड़ा हादसा हो गया।

माउंट कार्मल कॉलेज की स्कूली वैन बच्चों को लेकर जा रही थी। जैसे ही वैन मिडलैंड अस्पताल के पास पहुंची, सामने से तेज रफ्तार आ रही फार्च्यूनर ने जोरदार टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। वैन में नौ छात्र-छात्राएं सवार थे, जिनमें 15 वर्षीय और 13 वर्षीय दो छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। बाकी सात बच्चे किसी तरह बाल-बाल बच गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को आनन-फानन में एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

राजग गठबंधन को करारा झटका

» जदयू विधायक डॉ. संजीव कुमार राजद में होंगे शामिल
चुनाव में देंगे चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

खगड़िया। विधानसभा चुनाव 2025 से दल बदल का खेल जारी है। एक दिन पहले भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जनार्दन यादव जनसुराज में शामिल हो गए थे। आज जनता दल यूनाइटेड के विधायक डॉ. संजीव कुमार राष्ट्रीय जनता दल का दामन थामने जा रहे हैं। वह पिछले कुछ महीनों से अपनी पार्टी से नाराज चल रहे थे।

राजद के खगड़िया जिलाध्यक्ष मनोहर कुमार यादव ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि 3 अक्टूबर को गोगरी स्थित भगवान उच्च विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में डॉ. संजीव पार्टी में विधिवत शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की उपस्थिति भी तय मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि डॉ. संजीव अपने हजारों समर्थकों के साथ राजद की सदस्यता ग्रहण करेंगे, जिससे परबत्ता क्षेत्र का राजनीतिक संतुलन पूरी तरह बदल सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि डॉ. संजीव का एनडीए से मोहभंग होना पहले से तय था। एनडीए द्वारा आयोजित विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलनों से उनकी लगातार गैरमौजूदगी विशेषकर 27 सितंबर को परबत्ता सम्मेलन और 25 सितंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यक्रम से दूरी इस बदलाव के साफ संकेत थे।

कई बार अपनी ही सरकार की आलोचना कर चुके हैं

डॉ. संजीव कुमार अपनी बेबाकी और मुद्दों पर स्पष्ट राय रखने के लिए जाने जाते हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी उन्होंने कई बार किसानों के हक, जमीन विवाद और निर्माण परियोजनाओं में गड़बड़ियों को लेकर अपनी ही सरकार की आलोचना की है। राजनीतिक पृष्ठभूमि की बात करें तो डॉ. संजीव पूर्व मंत्री और पांच बार के विधायक डॉ. आरएन सिंह के पुत्र हैं, जिनकी पहचान जदयू के मजबूत स्तंभ के तौर पर थी। ऐसे में अगर डॉ. संजीव राजद में शामिल होते हैं, तो यह जदयू के लिए बड़ा झटका होगा और राजद के लिए परबत्ता तथा खगड़िया जिले में नई राजनीतिक संभावनाओं के द्वार खोल देगा।

नगर आयुक्त ने किया औचक निरीक्षण

» सफाई में लापरवाही पर जुर्माना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोमती नगर स्थित विपुल खंड में शुक्रवार सुबह नगर आयुक्त गौरव कुमार ने स्वच्छता व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सड़कों पर गंदगी और धूल पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई।

निरीक्षण में रोड स्वीपिंग कार्य संतोषजनक न मिलने पर नगर आयुक्त ने लखनऊ स्वच्छता अभियान पर 50 हजार और लॉयन एनवायरो पर 10 हजार का जुर्माना लगाया। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और लापरवाही पर कठोर कार्रवाई होगी। डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की समीक्षा में नगर आयुक्त ने क्षेत्र में हॉर्टिकल्चर वेस्ट और सीएंडडी वेस्ट फैला हुआ पाया। इस पर अभियंत्रण विभाग और हॉर्टिकल्चर विभाग को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने कहा कि शहरवासियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे कचरा निर्धारित स्थानों पर डालें और स्वच्छता अभियान में सहयोग करें।

पूर्णिया में वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से चार लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्णिया में शुक्रवार को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, घायलों को इलाज के लिए जीएमसी भेज दिया गया है। रेलवे पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जाँच शुरू कर दी है।

दुर्घटना का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। जोगबनी से पाटलिपुत्र जाने वाली वंदे भारत ट्रेन सुबह लगभग 5:00 बजे कस्बे के पास से गुज़र रही थी, जब यह दुर्घटना हुई। दुर्घटना के कारणों के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं है क्या यह रेलवे क्रॉसिंग कर्मचारी की लापरवाही थी या लोगों ने तेज़ गति वाली ट्रेन को अनदेखा करके क्रॉसिंग पार करने की कोशिश की।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।